



## FTSE सूचकांक में शामिल हुए भारतीय बॉण्ड

[स्रोत: लाइवमटि](#)

हाल ही में FTSE (फाइनेंशियल टाइम्स स्टॉक एक्सचेंज) रसेल ने घोषणा की है कि वह सितंबर 2025 से भारत के [सावरेन बॉण्ड](#) को अपने इमर्जिंग मार्केट गवर्नमेंट बॉण्ड इंडेक्स (EMGBI) में शामिल करेगा।

### परचिय:

- FTSE रसेल (एक अग्रणी वैश्विक सूचकांक प्रदाता), जेपी मॉर्गन और ब्लूमबर्ग के बाद भारतीय बॉण्ड को अपने इमर्जिंग मार्केट बॉण्ड इंडेक्स में शामिल करने वाला तीसरा संगठन बन गया है।
  - EMGBI द्वारा 16 देशों के स्थानीय मुद्रा सरकारी बॉण्ड के प्रदर्शन पर नज़र रखी जाती है, जो पोर्टफोलियो प्रबंधकों के लिये एक व्यापक बेंचमार्क के रूप में कार्य करता है।

### भारत का प्रतिनिधित्व:

- तीन वर्षों तक FTSE की नगिरानी सूची में रहने के बाद भारतीय सरकारी बॉण्ड अब EMGBI का 9.35% प्रतिनिधित्व करेंगे।

### भारत के बॉण्ड बाज़ार पर प्रभाव:

- इस समावेशन से भारत के बॉण्ड बाज़ार में अरबों डॉलर का नविश हो सकता है, जिससे भारतीय बॉण्डों की मांग बढ़ेगी और नविशकों की भावना में सुधार होगा।
- भारतीय बॉण्डों के तहत लगभग 18.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का वदेशी नविश आकर्षित हुआ है, जो बढ़ती वैश्विक रुचि का संकेत है।

### सरकारी बॉण्ड:

- यह केंद्र या राज्य सरकारों द्वारा जारी किया जाने वाला एक व्यापार योग्य ऋण साधन है।
- इसका उपयोग सरकार द्वारा अपने [राजकोषीय घाटे](#) के वित्तपोषण के लिये लोगों से धन उधार लेने के लिये किया जाता है।

और पढ़ें: [भारतीय बॉण्ड का JP मॉर्गन GBI-EM सूचकांक में समावेश](#)